

CORPORATE OFFICE

Delhi Office

706 Ground Floor Dr. Mukherjee
Nagar Near Batra Cinema Delhi -
110009

Noida Office

Basement C-32 Noida Sector-2
Uttar Pradesh 201301



दिनांक: 20 नवंबर 2023

चिकनगुनिया

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "चिकनगुनिया" शामिल हैं। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारम्भिक परीक्षा के लिए:

- चिकनगुनिया के बारे में?
- चिकनगुनिया वैक्सीन के बारे में?

मुख्य परीक्षा के लिए:

- सामान्य अध्ययन-3: विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- चिकनगुनिया के मामलों में वृद्धि में योगदान देने वाले कारक?
- चिकनगुनिया से निपटने के लिए सरकारी उपाय?

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका के एफडीए ने चिकनगुनिया के लिए दुनिया के पहले टीके को मंजूरी दे दी है।

चिकनगुनिया के बारे में-

- चिकनगुनिया एक वायरल संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से मच्छर के काटने से मनुष्यों में फैलता है।
- **प्रेरक एजेंट:** चिकनगुनिया वायरस (चिक्) के कारण, एक आरएनए वायरस जो टोगाविरिडे परिवार में अल्फावायरस जीनस से संबंधित है।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:** पहली बार 1952 में तंजानिया में रिपोर्ट किया गया, चिकनगुनिया बाद में एशिया, अफ्रीका और अमेरिका के विभिन्न क्षेत्रों में फैल गया।
- **संचरण:** एडीज एजिटी और एडीज एल्बोपिक्टस मच्छरों द्वारा फैलता है, जो डेंगू और जीका वायरस के लिए वैक्टर भी हैं। ये मच्छर दिन के समय सक्रिय रहते हैं। इसके अतिरिक्त, एक गर्भवती महिला से नवजात शिशुओं में संचरण संभव है।
- **लक्षण:** लक्षणों में गंभीर जोड़ों में दर्द, कम गतिशीलता, बुखार, जोड़ों की सूजन, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, मतली, थकान और दाने शामिल हैं। डेंगू और जीका वायरस के साथ समान लक्षण गलत निदान का कारण बन सकते हैं।
- **उपचार:** नैदानिक प्रबंधन में एंटी-पायरेटिक्स, इष्टतम एनाल्जेसिक, तरल पदार्थ का सेवन और आराम शामिल है। चिक् संक्रमण के लिए कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा नहीं है।
- **रोकथाम और नियंत्रण:** मच्छर वैक्टर को नियंत्रित करने, काटने से बचने और मच्छरदानी, विकर्षक और कीटनाशकों जैसे निवारक उपायों का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करें।

Chikungunya

Information for the general public

Source of infection

Vector-borne, transmitted by mosquitoes.



Type of exposure & prevention

Chikungunya is a viral disease transmitted to humans by infected mosquitoes. It is caused by the chikungunya virus.



Limit opportunities for mosquitoes to breed by removing garbage and covering vessels that allow water to pool such as vases, tyres and buckets.



Use insecticides to reduce mosquito breeding.



Use window screens, repellents, insecticide treated bed nets, coils and vaporizers.



Wear light coloured clothing that covers your arms and legs.



Keep all water containers sealed and clean them regularly.

Symptoms



Fever



Joint pain



Muscular pain



Joint swelling



Headaches



Nausea



Fatigue



Rash

Actions to take in case of symptoms:



Seek medical advice immediately. There are similarities between the symptoms of chikungunya, dengue and Zika and so it can sometimes be misdiagnosed.

World Health Organization
Regional Office for the Eastern Mediterranean

चिकनगुनिया का टीका:

- Ixchiq एक एकल खुराक वाला टीका है जिसमें एक जीवित, कमजोर चिकनगुनिया वायरस होता है, जो संभावित रूप से प्राकृतिक संक्रमण जैसे लक्षण पैदा करता है।
- इसे यूरोपीय वैक्सीन निर्माता कंपनी वालनेवा ने विकसित किया है। यह 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अनुमोदित है, जो वायरस के जोखिम के बढ़ते जोखिम में हैं।

चिकनगुनिया के मामलों में वृद्धि में योगदान देने वाले कारक:

चिकनगुनिया के मामलों में वृद्धि को कई कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, विशेष रूप से शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में:

- **बेतरतीब शहरीकरण:** अनियोजित और तेजी से शहरीकरण ने रोग वैक्टर के प्रसार के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है।
- **अपर्याप्त जल और अपशिष्ट प्रबंधन:** जल संसाधनों और ठोस कचरे के अपर्याप्त प्रबंधन के परिणामस्वरूप मच्छरों के लिए प्रजनन स्थलों का निर्माण हुआ है, जिससे चिकनगुनिया के प्रसार में सुविधा हुई है।
- **एंटीवायरल दवा या वैक्सीन की कमी:** एक विशिष्ट एंटीवायरल दवा या वैक्सीन की अनुपस्थिति आबादी को चिकनगुनिया के प्रति संवेदनशील बनाती है, क्योंकि कोई लक्षित चिकित्सा हस्तक्षेप उपलब्ध नहीं है।

चिकनगुनिया से निपटने के लिए सरकारी उपाय:

भारत सरकार ने मुख्य रूप से राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) के माध्यम से चिकनगुनिया को रोकने और नियंत्रित करने के लिए पहल लागू की है:

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक व्यापक कार्यक्रम।
- चिकनगुनिया सहित विभिन्न वेक्टर जनित रोगों को रोकने और नियंत्रित करने पर केंद्रित है।
- इसका उद्देश्य मलेरिया, फाइलेरिया, कालाजार, जापानी एन्सेफलाइटिस (जेई), डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की घटनाओं को कम करने के लिए जागरूकता पैदा करना, निगरानी करना और उपायों को लागू करना है।

स्रोत:

चिकनगुनिया के लिए पहली वैक्सीन को कैसे मंजूरी दी गई थी? | समझाया – द हिंदू

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

प्रश्न-01 हाल ही में समाचारों में देखे गए चिकनगुनिया के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. चिकनगुनिया वायरस अल्फावायरस जीनस से संबंधित एक डीएनए वायरस है।
2. चिकनगुनिया मुख्य रूप से एनोफिलीज मच्छरों द्वारा फैलता है।
3. एक गर्भवती महिला से नवजात शिशुओं में संचरण संभव नहीं है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) उपरोक्त सभी
- (d) इनमें कोई नहीं

उत्तर: D

प्रश्न-02 हाल ही में समाचारों में देखे गए चिकनगुनिया वैक्सीन के संबंध में , निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. रोबोटोक्स एक बहु-खुराक टीका है जिसमें एक जीवित, कमजोर चिकनगुनिया वायरस होता है।
2. चिकनगुनिया वैक्सीन किसी भी उम्र के व्यक्तियों के लिए अनुमोदित है, जिन्हें वायरस के संपर्क में आने का खतरा है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

प्रश्न-03 विकासशील देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

Rajiv Pandey